बिहार-विधान-सभा-वादवृत्त ।

सोमवार तिथि १९ मई, १९५२ ।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य-विवरण। सभा का अधिवेशन पटने के सभा-सदन में सोमवार, तिथि १९ मई, १९५२ को पूर्वाह्न ११ बजे माननीय अध्यक्ष, श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्म्मा, के सभापतित्व में हुआ ।

भारतीय संविधान के प्रतिनिष्ठा का शपथ ग्रहण ।

OATH OF ALLEGIANCE TO THE CONSTITUTION OF INDIA.

The following members took oath:—

(1) Shri Muhammad Tahir—Amour.

(2) Shri Amiya Kumar Ghosh—Daltonganj.

(3) Shri Bhagirathi Singh—Latehar-*cum*-Manatu (Reserved).

(4) Shrimati Janak Kishori Debi—Harlahki.

बोलने से पहले सदस्यों के अपने नाम बतलाने के संबंध में माननीय अध्यक्ष का वक्तव्य ।

STATEMENT OF HON'BLE THE SPEAKER *re*:MEMBERS GIVING THEIR NAMES BEFORE SPEAKING.

माननीय अध्यक्ष—माननीय सदस्यगण, मुझे एक बात कहनी है । जब कभी किसी सदस्य को प्रश्न पूछने का या भाषण देने का अवसर मिले तो थोड़े दिनों तक उन्हें अपना नाम माइक पर बता देना चाहिए जिसमें हमारे रिपोर्टरों को उनके नाम जानने में दिक्कत न हो ।

अल्प-सूचना प्रश्नोत्तर ।

SHORT NOTICE QUESTIONS AND ANSWERS.

भभुआ सबडिवीजन में बेकारी की समस्या ।

१ । श्री गुप्तनाथ सिंह—क्या माननीय राजस्व मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या सरकार को पता है कि भभुआ सबडिवीजन के अधौरा चैनपुर, चादे थाना और भभुआ थाने के कुछ अंचलों में कई साल के सूखे से जनता भुखमरी की अवस्था में पहुँच गयी है और बेकारी के कारण हाहाकार मचा हुआ है ;

(ख) क्या इस ओर सरकार का ध्यान प्रश्नों एवं आवेदन-पत्र द्वारा खींचा गया था ;

(ग) क्या यह बात सही है कि सरकार की ओर से उक्त इलाकों में रिलीफ के लिए आदेश दिया गया था ;

(घ) यदि खंड (क), (ख) और (ग) के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार ने कितने रुपयों की मंजूरी की है और उन रुपयों के उचित उपयोग के लिये क्या व्यवस्था की गई है ?

(ग) उत्तर नकारात्मक है।

(घ) प्रश्न उठता ही नहीं है।

श्री नन्दकिशोर नारायण लाल—मैं जानना चाहता हूँ कि सरकार ने किस एजेन्सी से आंकड़ा मंगाया है जिसके आधार पर कहा गया है कि उत्तर नकारात्मक है।

माननीय श्री हरिनाथ मिश्र—सरकार की जो साधारण मशीनरी है उसीके जरिये यह खबर मिली है।

श्री नन्दकिशोर नारायण लाल—देहात में जिस एजेन्सी के द्वारा आंकड़े मंगाये जाते हैं उसकी क्या हालत है? बैठे-बैठे सबडिविजनल ऑफिसर के यहां से मनमाना रिपोर्ट भेज दिया जाता है।

माननीय श्री हरिनाथ मिश्र—इस सम्बन्ध में अगर आपको कुछ विशेष जानकारी प्राप्त करनी है तो स्वतंत्र प्रश्न दे दें और हम खूब अच्छी तरह छानबीन कराकर गोपालगंज के सम्बन्ध में उत्तर दे देंगे।

श्री नन्दकिशोर नारायण लाल—सरकार को कैसे खबर मिली है कि वहां की जो स्थिति है वह अच्छी है?

माननीय अध्यक्ष—जैसे और प्रश्नों के उत्तर मिलते हैं वैसे ही इसका भी उत्तर मिला है।

श्री नन्दकिशोर नारायण लाल—मैं जानना चाहता हूँ कि सरकार को जानकारी है कि नहीं कि कुवार से फाल्गुन तक वर्षा नहीं हुई है?

माननीय श्री हरिनाथ मिश्र—यह सवाल कैसे उठता है?

श्री नन्दकिशोर नारायण लाल—मेरा प्रश्न ऐसा था:

"क्या यह बात सही है कि गोपालगंज सबडिवीजन में इस साल रब्बी की फसल बिल्कुल खराब हुई है और बड़े-बड़े किसानों को भी दो माह से अधिक खर्च तथा बीज के लिये रब्बी की पैदावार नहीं है?" किस एजेन्सी के द्वारा सरकार को इसके सम्बन्ध में उत्तर मिला है कि फसल अच्छी है?

माननीय अध्यक्ष—सरकार ने (ख) का उत्तर नकारात्मक दिया है तो मैं जानना चाहता हूँ कि क्या नोटिस नहीं दी गई है, जिससे लोगों में क्षोभ नहीं है?

माननीय श्री हरिनाथ मिश्र—अध्यक्ष महोदय, जब सारे सबडिवीजन में १५ किसानों पर नोटिस जारी की गई है और अभी तक एक छटाक भी गल्ला वसूल नहीं किया गया है, तो इस से कहां तक क्षोभ हो सकता है!

श्री नन्दकिशोर नारायण लाल—हमें जहां तक मालूम है कि एक ही थाने में १७ नोटिसें जारी की गई हैं।

(उत्तर नहीं मिला।)

DETAILS OF GRAINS IN CHAMPARAN.

*4. **Shri HARIVANS SAHAY:** Will the Hon'ble Minister in charge of the Supply and Price Control Department be pleased to state—

(*a*) total quantity of grains received in Champaran between March to October, 1951;

(*b*) total quantity of grains deteriorated up to this time;

(c) total quantity of grains showed short as against the quantity despatched from the K. P. Dock and the percentage of shortage to the quantity despatched ?

The Hon'ble Shri HARINATH MISHRA : (a) 12,47,559 maunds 37 seers 7 chataks.

(b) Total quantity partially deteriorated 41,621 maunds.

(c) No shortage has been determined yet ; 11,92,456 maunds, out of the total despatch from K. P. Docks reached destinations in Champaran district. Quite a large number of wagons despatched for destinations in Champaran district were diverted to other destinations due to emergency. The matter is still under verification.

Shri HARIVANS SAHAY : Arising out of (a), is it a fact that the period mentioned in the question was the period of distress.

The Hon'ble Shri HARINATH MISHRA : How does the question arise ?

Shri HARIVANS SAHAY : Sir, I want to know whether the quantity received during that period was an exceptional one or not ?

The Hon'ble the SPEAKER : The hon'ble member is attempting to put the same question in another way. It is the period about which the question was put and answered.

Shri HARIVANS SAHAY : Sir, I want to know whether it is a fact that an exceptional quantity was received during that period?

The Hon'ble Shri HARINATH MISHRA : Answer has already been given about the quantity that was received.

Shri HARIVANS SAHAY : What is the percentage of shortage to the total quantity received ?

The Hon'ble Shri HARINATH MISHRA : The hon'ble member wanted to know the quantity and it has been given. It is for him to calculate the percentage.

Shri HARIVANS SAHAY : Is there any rule regarding percentage of deterioration or not ?

The Hon'ble Shri HARINATH MISHRA : The question does not arise.

Shri HARIVANS SAHAY : The object of my putting this question is to know whether there was heavy deterioration of grain or not ?

The Hon'ble the SPEAKER : You probably mean the allowable quantity of shortage....

The Hon'ble Shri HARINATH MISHRA : It is for the hon'ble member to infer.

Shri HARIVANS SAHAY : I want to know the percentage of shortage which is allowed ?

The Hon'ble Shri HARINATH MISHRA : A fresh notice is required. It is not possible to answer it off hand.

Shri HARIVANS SAHAY : I want to know the total quantity of grain shown short as against the quantity despatched. The fact is that there was heavy shortage. I want to know the quantity that was shown short at the time of receipt of the grain at the Railway Station.

The Hon'ble the SPEAKER : The matter is under verification.

श्री हरिवंश सहाय—प्रश्न यह है कि इसमें देखना पड़ता है कि १ प्रति शत से ज्यादा सर्टेज नहीं होना चाहिये । तो क्या कारण है कि इतना ज्यादा सार्टेज हुआ ?

The Hon'ble Shri HARINATH MISHRA : It has already been said that a large number of wagons were diverted to other destinations due to emergency. The matter is under verification.

नोट—तारांकित प्रश्न संख्या ५ और ६ स्थगित कर दिए गये ।